बेटी की दूसरी शादी करने पर समाज से किया बेदखल, 25 हजार जुर्माना लगाया

पिता की शिकायत पर कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

लांजी, देशबन्धु। बालाघाट जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गरीब पिता ने अपनी विधवा बेटी की दोबारा शादी कराई तो समाज के पंचों ने पूरे परिवार को 10 साल के लिए बहिष्कृत कर दिया। इतना ही नहीं, परिवार पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगा दिया गया।

पंचों का तुगलकी फरमान

मामला लांजी ब्लॉक के मंडई टेकरी गांव का है, जहां पिता मानिक सोनवाने ने अपनी बेटी की जिंदगी दोबारा संवारने की कोशिश की, लेकिन समाज के तुगलकी फरमान ने उनके परिवार को मुश्किल में डाल दिया। सामाजिक दबाव और बहिष्कार से परेशान मानिक सोनवाने अपनी पीड़ा लेकर सीधे कलेक्टर दफ्तर पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर मृणाल मीना को पूरे मामले की जानकारी दी और न्याय की गुहार लगाई।

कलेक्टर ने तुरंत इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए एसडीएम कमलचंद्र सिंहसार को जांच के आदेश दे दिए हैं। पिता का कहना है कि समाज द्वारा दिए गए इस कठोर दंड ने उनके परिवार को मानसिक और सामाजिक तौर पर तोड़कर रख दिया है। अब पूरा परिवार प्रशासन से न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है।

शिकायत में पिता ने बताई आपबीती

मानिक ने कलेक्टर को दी शिकायत में बताया, बेटी की शादी पहले हुई थी। चार साल पहले 2022 में गंभीर बीमारी से दामाद की मौत हो गई। महज 22 साल की बेटी का विधवा रूप देखा नहीं जा रहा था। सामाजिक रीति रिवाज और कोर्ट मैरिज के जरिए बेटी की दोबारा शादी महाराष्ट्र के रामटेक से इसी साल कराई। जाति-समाज के पंचों को यह नागवार गुजरी। 16 जनवरी को जाति समाज की बैठक में गैर बिरादरी में शादी करने पर परिवार को बहिष्कृत करने का फैसला सुनाया। 10 साल तक सामाजिक प्रतिबंध लगाया है। 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगा दिया। इस फैसले के बाद वे मानसिक पीड़ा से जूझ रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी भगवान शिव की शाही बारात

नगर का प्रथम और प्राचीन शिवधाम पिपलेश्वर महादेव

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर के थाना परिसर में स्थित लगभग 75 वर्ष प्राचीन पिपलेश्वर महादेव मंदिर आज भी श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर यहां से भगवान शिव की भव्य शाही बारात नगर भ्रमण करते हुए खेर माता मंदिर तक निकाली जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्तजन शामिल होंगे।

महाशिवरात्रि एवं प्रत्येक सोमवार को मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां विधि-विधान से पूजा करने पर भगवान शिव सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। नगर का यह प्रथम एवं सबसे प्राचीन शिव मंदिर माना जाता है। जानकारी के अनुसार, जब तेंदूखेड़ा एक छोटा सा ग्राम था, तब थाना परिसर में इस मंदिर की स्थापना की गई थी। उस समय नगर में अन्य कोई शिव मंदिर नहीं था। मंदिर का निर्माण दमोह जिले के चदोरा निवासी स्व. पंडित कन्हैयालाल

तिवारी 'दाढ़ी वाले मुंशीजी' द्वारा कराया गया था, जो उस समय थाने में पदस्थ थे। वे भेड़ाघाट से शिवलिंग लाकर पीपल के विशाल वृक्ष के नीचे भगवान शिव की स्थापना कराए थे। तभी से यह स्थल 'पिपलेश्वर महादेव' के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

मंदिर में स्थापित काले पत्थर का प्राचीन शिवलिंग अपनी विशिष्ट संरचना एवं दिव्य स्वरूप के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र है। हाल ही में गर्भगृह में माता पार्वती, भगवान कार्तिकेय एवं श्री गणेश की प्रतिमाओं की भी विधि-विधान से स्थापना की गई है।

वर्ष 2016-17 में तत्कालीन थाना प्रभारी आरपी पांडे द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया, जिससे मंदिर का स्वरूप और अधिक भव्य हो गया। वर्तमान में नगर के समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों की एक समिति मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन कर रही है।

सावन सोमवार, महाशिवरात्रि एवं अन्य विशेष पर्वों पर यहां विशेष पूजन, महाआरती एवं धार्मिक आयोजन संपन्न होते हैं। विशेष उल्लेखनीय है कि थाना परिसर में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी किसी भी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्व भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार, बिना दर्शन किए कार्य प्रारंभ करना शुभ नहीं माना जाता। पिपलेश्वर महादेव मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि नगर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक बन चुका है।

सार-समाचार

नगर के पंचवटी सिद्ध धाम में भगवान भोलेनाथ को चढ़ाई हल्दी

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर के पंचवटी सिद्धधाम में शनिवार को भगवान भोलेनाथ की हल्दी की रस्म गाजे बाजे के साथ बडे धूमधाम से पूरी की गई। साथ ही भोलेनाथ एवं माता पार्वति को मेंहदी की रस्म की गई एवं शादी के गीत गाएं गए। इस दौरान दर्जनो महिलाए मौजूद रही। आज महाशिव रात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वति का विवाह शाम 6 बजे सम्पन्न होगा। महाशिवरात्रि पर सुबह 9 बजे शिवलिंग निर्माण एवं रूद्राभिषेक होगा एवं भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया जाएंगा। शाम 7 बजे भगवान भोलेनाथ की महाआरती एवं महाप्रसाद का वितरण किया जाएंगा। रात्रि 8 बजे भजन संध्या का आयोजन किया जाएंगा जिसमें बाहर से आएं कलाकारों के द्वारा भजनों की प्रस्तुति होंगी।

नारायणगंज शहीद स्मारक में पुलवामा के वीर शहीदों को नमन, दो मिनट का मौन

नारायणगंज, देशबन्धु। शहीद स्मारक नारायणगंज में पुलवामा आतंकी हमले की 7वीं बरसी के अवसर पर देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले 40 वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शहीद स्मारक परिसर में उपस्थित क्षेत्रवासियों ने पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया तथा दो मिनट का मौन धारण कर उनकी वीरता, बलिदान और देशभक्ति को स्मरण किया।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण बना रहा। वक्ताओं ने पुलवामा हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताते हुए कहा कि हमारे जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। शहीदों का त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है और राष्ट्र सदैव उनका ऋणी रहेगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्रवासी रतन ठाकुर, कृष्ण कुमार झारिया, संतोष सोनी, सुंदर सोनी, राकेश अग्रवाल, सुरेश सोनी, वीरेंद्र अग्रवाल, दुर्गेश सोनी, सुमित हथाले, प्रशांत सोनी, नरेश सोनी, भगवान मिश्रा, मुन्ना बाल्मीकि, निशांत अग्रवाल सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में शहीदों के सम्मान में नमन करते हुए देश की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ हुआ, जिससे शहीदों के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना और अधिक सशक्त हुई।

खनन माफिया पर पुलिस का डंडा

शहडोल, देशबन्धु। जिले में खनन माफियाओं के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान छेड़ दिया है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में रेत की चोरी करते दो ट्रैक्टर जब्त कर आरोपियों पर कड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पहली कार्रवाई देवलौंद थाना क्षेत्र के सोनघड़ियाल गोपालपुर में हुई। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रतिबंधित क्षेत्र से रेत उत्खनन कर परिवहन कर रहे ट्रैक्टर को धर दबोचा। थाना प्रभारी सुभाष दुबे ने बताया कि आरोपी विनय मिश्रा के खिलाफ खनिज अधिनियम एवं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार सोन घड़ियाल क्षेत्र संरक्षित होने के बावजूद वहां से अवैध रेत निकासी की जा रही थी। इसी तरह दूसरी कार्रवाई ब्यौहारी थाना क्षेत्र में की गई। ग्राम खामडांड से रेत चोरी करते एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया। इस मामले में राहुल उर्फ सोनी खैरवार (30) एवं हिमांशु सिंह, दोनों निवासी खामडांड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भीड़ी विजेता और कटंगा की वन समिति की टीम रही उपविजेता

बालाघाट, देशबन्धु। दक्षिण सामान्य वन मंडल लामता और वन समितियों के तत्वधान में खेल एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एक दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की आठ टीमों ने भाग लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

शानदान फाइनल मैच में भीड़ी विजेता और कटंगा वन समिति की टीम उपविजेता रही। शुभारंभ वन समिति के पदाधिकारियों एवं वन कर्मचारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर करवाया। सदस्यों ने बताया कि खेल गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने के साथ उन्हें वन

सुरक्षा अग्नि सुरक्षा एवं पौध रोपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूकता करना है।

खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को पौध रोपण करने का संकल्प भी दिलाया गया। प्रतियोगिता में सभी टीमों ने खेल भावना एव अनुशासन का परिचय दिया। विजेता टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। समापन पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को वन समिति ने ट्राफी पुरस्कार देकर सम्मानित किया। भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाने की बात कही गई। कार्यक्रम में रेंजर शिवमपुरी गोस्वामी, जिला पंचायत सदस्य स्मिता टेकाम, जनपद उपाध्यक्ष डॉ शंकर लाल बिसेन, सरपंच मीना बिसेन, सरपंच उमाकान्त वाडिवा, जनपद सदस्य सावित्री राहंगडाले सभी के उपस्थिति रही।

तालाब किनारे लावारिस मिले आधार कार्ड और बैंक दस्तावेज

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 19 में स्थित एक तालाब के किनारे बड़ी संख्या में आधार कार्ड और बैंक से जुड़े जरूरी कागज लावारिस हालत में मिले। जैसे ही यह बात इलाके में फैली, लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आधार कार्ड और दस्तावेजों को कब्जे में लिया।शनिवार को स्थानीय निवासी विनायक चौहान अपने खेत की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तालाब की मेढ़ के पास उन्हें कागजों का एक ढेर दिखाई दिया। पास जाकर देखा तो कई लोगों के आधार कार्ड, बैंक के दस्तावेज और अन्य कागज बिखरे पड़े थे। मामले को गंभीर समझते हुए विनायक चौहान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र में तलाश की। पुलिस ने वहां से सभी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए।

स्कूलों के बदहाल व जर्जर शौचालय, छात्र होते हैं परेशान

बालाघाट, देशबन्धु। जिले के अधिकांश स्कूलों में शौचलायों के हॉल ठीक नहीं है। कहीं छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय नहीं है तो कहीं टूटे दरवाजे वाले शौचालय का प्रयोग करना पड़ता है। स्कूलों में पानी नहीं होने से बाहर से लाना पड़ता है। प्राथमिक शाला छोटी घोंदी के दो शौचालय का दरवाजा टूटा है। छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय जाने एक गलीनुमा रास्ता है। शाला परिसर में पानी की सुविधा नहीं है। बीते कुछ वर्ष पूर्व बोर करने के साथ पीएचई ने पानी टंकी लगाई थी, लेकिन कुछ माह चलने के बाद बंद हो गई। परिसर में लगे हैंडपंप का भी यही हॉल है। प्रधान पाठक गोविंद प्रसाद नामदेव ने बताया कि पानी बाहर से लाना पड़ता है। शौचालय की सफाई हमलोग करते हैं। पीएचई ने जो बोर किया था वह खराब हो गया, लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई।

एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला कुल्पा का भी कुछ ऐसा ही हाल है। यहां पर छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय अलग-अलग है, लेकिन पानी की व्यवस्था नहीं है। एक ही परिसर में प्राथमिक व माध्यमिक शाला संचालित है। प्रधान पाठक देवेंद्र कुमार रावटे ने बताया कि शौचालय की सफाई हमलोग करते हैं। एक कक्ष जर्जर हो गया है, जिसमें कक्षा नहीं लगती है।

विद्यांजलि ने बदली प्रा. शाला पंड्रापानी बोड़खी और चुक्काटोला की सूरत

बालाघाट, देशबन्धु। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विद्यालयों की सूरत पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के एक प्रयास से बदल रही है। एकल सुविधा केन्द्र विद्यांजलि, एकल प्रयास सामूहिक विकास के तहत कायाकल्प का कार्य किया जा रहा है। इस कायाकल्प ने शासकीय प्राथमिक शाला पंड्रापानी, बोड़खी व चुक्का टोला के शाला भवन को चमका दिया है। लेकिन इन सबके बीच पन्ड्रापानी व चुक्काटोला शौचालय के हॉल बेहतर नहीं हैं। शासकीय प्राथमिक शाला पन्ड्रापानी के एक शौचालय का दरवाजा टूटा है। उसमें लकड़ी भरी है। दूसरे शौचालय के भी हाल ठीक नहीं है। हालांकि उक्त शाला भवन कायाकल्प के बाद चमक रहा है। शिक्षक प्रीतम सिंह बघेल ने बताया कि वर्तमान समय में आंगनबाड़ी भवन में कक्षा लगाई जा रही है। शासकीय प्राथमिक शाला बोडखी का भवन चमक रहा है। यहां छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय है। पानी के पर्याप्त इंतजाम है। प्रधान पाठक रमेश कुमार मरावी ने बताया कि शाला भवन बारिश में टपकता था, लेकिन कायाकल्प के बाद यह बेहतर हो गया है।

बैगा ग्राम चुक्काटोला के शासकीय प्राथमिक शाला भवन के हॉल ठीक नहीं थे। बारिश के दिनों में छात्रों को परेशानी होती थी, लेकिन अब विद्यांजलि ने भवन की सूरत बदल दी है। यहां छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय एक ही है, जो काफी पुराना है। उसके कुछ भाग पर छत नहीं है। प्रधान पाठक महेश कुमार कातूरे ने बताया कि कायाकल्प के बाद भवन अच्छा बन गया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने यहां तीन दिनों तक श्रमदान किया था।

परसवाड़ा महाविद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

परसवाड़ा, देशबन्धु। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यवहारिक ज्ञान एवं पुस्तकीय अध्ययन को वास्तविक अनुभवों से जोडने् के उद्देश्य से रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा ने एक आयोजन किया। कॉलेज के एमए एवं एमएससी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण करवाया।

यह भ्रमण प्राचार्य डॉ. एलएल घोरमारे एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरुण वैद्य के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण के तहत विद्यार्थियों को पुरातात्विक संग्रहालय मंडला, मोती महल, राय भगत की कोठी रामनगर मंडला तथा अमरकंटक के विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों का अध्ययन भ्रमण कराया गया। शैक्षणिक भ्रमण दल को प्राचार्य डॉ एलएल घोरमारे ने हरी झंडी दिखाकर

रवाना किया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण शिक्षा का अभिन्न अंग है। विद्यार्थी कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक रूप में समझ पाते हैं। इतिहास, संस्कृति और समाज का वास्तविक अध्ययन तभी संभव है। जब विद्यार्थी पुस्तकों से बाहर निकलकर स्थलों का प्रत्यक्ष अवलोकन करें।

भ्रमण में डॉ जयश्री सूर्यवंशी, शीतल चौके, राजेन्द्र गणवीर, डॉ नवनीत शर्मा एवं डॉ दिनेश कुशवाहा शामिल रहे। सभी प्राध्यापकों ने भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा संबंधित स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

कृपा करते हैं तो प्रलयंकारी बनकर तांडव भी करते हैं शिव

महाशिवरात्रि पर्व आज : युवाओं ने कहा भगवान शंकर का व्यक्तित्व देता है अनेक प्रेरणाएं

तेन्दूखेड़ा, देशबन्धु। आज भगवान भोले नाथ व मां पार्वती के विवाह का उत्सव संपूर्ण देश में श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाएगा। श्रद्धालु पूर्ण आस्था के साथ शिव-शक्ति की उपासना करेंगे। भगवान महादेव की भक्ति में शक्ति है तो उनकी शिक्षाएं भी सफलता पाने की प्रेरणा देती हैं।

शिव जी की ये विशेषताएं सफलता का मंत्र भी हैं इस धार्मिक माहौल में हमने उन यूथ्स से बात की जो शिव भक्ति में लीन हैं उन्होंने खुद को भगवान शंकर का अनन्य भक्त बताते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों पर शीघ्र कृपा करने वाले हैं। उनका व्यक्तित्व हमें अनेक प्रेरणा देता है। जिसमें सफलता पाने के लिए लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने ध्यान, मौन, अनुशासन और आत्म-चिंतन को महत्व दिया। वे भोलेनाथ बनकर कृपा करते हैं तो प्रलयंकारी बनकर तांडव भी करते हैं।

सफलता के लिए लक्ष्य पर करें ध्यान केंद्रित

पत्रकार पं दीपक कटारे का कहना है कि महाशिवरात्रि को पंचवटी मंदिर में सभी प्रहरों के अभिषेक के साथ महाआरती का आयोजन होगा जिसकी तैयारी लंबे वक्त से की जा रही है। भगवान शिव का व्यक्तित्व प्रेरणा देता है कि सफलता पाने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति ध्यान केंद्रित करने के साथ एकाग्रता धारण करने की आवश्यक्ता है। भगवान महादेव से अटूट धैर्य और दृढ़ता की शिक्षा भी मिलती है। शिवजी के इन गुणों को अपने भीतर विकसित कर हम प्रत्येक बाधा को दूर कर-के सफलता की ओर अग्रसर रह सकते हैं।

दीपक कटारे, तेन्दूखेड़ा

सफलता के लिए असफलता से सीखे

विशाल रजक कहते हैं कि भगवान शिव ने स्वयं भी आंतरिक शांति और परम ज्ञान की प्राप्ति के लिए ध्यान, अनुशासन मौन, और आत्म-चिंतन को महत्व दिया है उन्हे भूत-पिशाच, दानव, देवता और सभी तरह के जीव भी पूजते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसलिए दोनों से सीख लें और दोनों को गले लगाएं। सफलता के लिए असफलता से सीखें, क्योंकि इससे आपको आगे बढने में मदद मिलेगी। इसके लिए ध्यान, मौन अनुशासन व आत्मचिंतन जरूरी है।

विशाल रजक, तेन्दूखेड़ा

विशेष ऊर्जा का होता है प्रवाह

राहुल ठाकुर कहना हैं मान्यतानुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव वैराग्य जीवन छोडकर मां पार्वती के साथ विवाह के बंधन में बंधे थे महाशिवरात्रि की रात्रि को ग्रह और नक्षत्रों की ऐसी स्थिति होती है जिससे एक विशेष ऊर्जा का प्रवाह होता है। इस व्रत के विषय में मान्यता है कि जो व्रत करता है, उसे सभी भोगों की प्राप्ति के बाद, मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत सभी पापों का क्षय करने वाला है। इस व्रत को लगातार 14 वर्षों तक करने के बाद विधि-विधान के अनुसार इसका समापन करना चाहिए। भगवान शिव की भक्ति असीम ऊर्जा का संचार करती है।

राहुल सिंह लोधी ठाकुर, तेंदूखेड़ा

समाज कल्याण के लिए पिया गरल

मनीष साहू ने बताया कि भगवान शिव ने समाज कल्याण के लिए गरल का भी सेवन तक किया था। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि देश व समाज के कल्याण के लिए हमें बिना विचलित हुए योगदान देना चाहिए।

शिव में ज्ञान और शिक्षाओं का अथाह भंडार है। वे विध्वंसक के साथ परिवर्तक के रूप में भी जाने जाते हैं, जो कि परिवर्तन और अनुकूलन की आवश्यकता के प्रतीक हैं। यदि आप भी सफलता चाहते हैं तो आपमें भी अनुकूलनशील होना चाहिए। आज हिंदु धर्म के इस विशेष पर्व पर सभी को भोलेनाथ की भक्ति में लीन होकर उनके पूजन के साथ उनकी शिक्षाएं भी ग्रहण करनी चाहिए।

मनीष साहू, तेन्दूखेड़ा